उत्तर साक्षरता कार्यक्रम के अन्तर्गत लक्ष्य संख्या :— सर्वेक्षण के पश्चात् उत्तर साक्षरता कार्यक्रम के अन्तर्गत कुल लक्ष्य संख्या नव साक्षर की संख्या को सम्मिलित कर निर्धारित की जाएगी।

उत्तर साक्षरता कार्यक्रम के आगे का लक्ष्य :

- उत्तर साक्षरता के आगे का कदम 'आजीवन शिक्षा' की ओर ले जाता है।
- आजीवन शिक्षा को सतत शिक्षा योजना कहा गया है।
- सतत् शिक्षा योजना उत्तर साक्षरता के बाद फिलहाल पांच साल तक चलती रहेगी। इसमें सांध्य कालीन शिक्षा, पुस्तकालय वाचनालय, चर्चा मण्डल, खेलकूद, मनोरंजन आदि की गतिविधियां शामिल हैं।
- इसके लिए मोटे तौर पर प्रत्येक 1500-2000 की आबादी या 500 नवसाक्षरों पर एक सतत् शिक्षा केन्द्र की स्थापना होगी।
- 8-10 सतत् शिक्षा केन्द्रो पर एक मुख्य सतत् शिक्षा केन्द्र (नोडल सतत् शिक्षा केन्द्र) होगा।
- पाँचवर्ष बाद राज्य की पंचायती राज व्यवस्था इसको अंगीकृत कर लेगी।

भारत में नारी/पुरुष साक्षरता एक अवलोकन :

क्र०सं०	वर्ष	प्रति 1000 पुरुषों पर महिलाओं की संख्या	कुल साक्षरता दर	महिला साक्षरता दर
1	1901	972	4.40	0.60
2	1911	962	5.30	1.00
3	1921	955	7.81	1.81
4	1931	950	9.40	2.90
5	1941	945	16.50	7.30
6	1051	946	18.30	8.86
7	1961	941	28.31	15.34
8	1971	930	34.45	21.97
9	1981	934	43.56	29.75
10	1991	929	52.21	39.29
11	2001	927	63.00	55.00

साक्षरता दर 16 प्रतिशत बढ़ी

उत्तर प्रदेश की विशाल जनसंख्या पर सीमित संसाधनों के बीच सबको साक्षर बनाना कभी आकाश के तारे तोड़ना लगता था, परन्तु चुनौतियाँ स्वीकार करना ही मनुष्य का वास्तविक स्वभाव है। इस चुनौती को स्वीकार करते हुए ही प्रदेश सरकार ने न केवल इसके लिए संसाधन बढ़ाये बल्कि संकल्प लिया है कि वह सबको शिक्षित करेगी। पहले से चल रहे कार्यक्रमों की समीक्षा के बाद कुछ को बंद कर नये कार्यक्रम जैसे सम्पूर्ण साक्षरता अभियान, उत्तर साक्षरता कार्यक्रम, डी०पी०ई०पी० कार्यक्रम शुरू किए गए। सार्थक परिणाम मिले। आज प्रदेश साक्षरता दर में 16 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पहले यह दर 41 प्रतिशत थी जो अब बढ़कर 57 प्रतिशत हो गयी है। महिला साक्षरता दर में भी 18 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पहले महिला साक्षरता दर 25 प्रतिशत थी जो अब बढ़कर 43 प्रतिशत हो गई है।

महिलाओं की साक्षरता दर पुरुषों से अधिक

देश में पिछले एक दशक के दौरान महिलाओं की साक्षरता दर में पुरुषों की अपेक्षा 3.7 प्रतिशत अधिक वृद्धि हुई है। देश में इस अवधि के दौरान साक्षरता दर में कुल 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसमें महिलाओं की साक्षरता में 12.1 प्रतिशत और पुरुषों की साक्षरता में 10.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण 1998-99 के अनुसार इस अवधि में 15 से 39 वर्ष आयु वर्ग में वर्ष 1998 में साक्षरता दर में सबसे अधिक वृद्धि (लगभग 70 प्रतिशत) हुई। सर्वेक्षण के अनुसार सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस अवधि के दौरान शहरी साक्षरता दर की अपेक्षा ग्रामीण साक्षरता दर में 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई। शहरी क्षेत्रों में पुरुषों की साक्षरता में 6.41 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि महिलाओं की साक्षरता में 8.15 प्रतिशत वृद्धि हुई। सर्वेक्षण में यह भी पाया गया है कि साक्षर महिलाओं की तुलना में निरक्षर महिलाओं के बच्चे दुगुने कुपोषित रहते हैं। इसके अलावा निरक्षर माताओं के कुल 28 प्रतिशत बच्चों को ही टीके लग पाते हैं, जबकि हाईस्कूल पास साक्षर महिलाओं के 73 प्रतिशत बच्चों को टीका लगाया जाता है। ❑